

खबर संक्षेप

खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न



शहडोल। जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, संधारण एवं परिवहन पर रोक लगाने हेतु संयुक्त कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन राजस्व विभाग पुलिस एवं वन विभाग मिलकर संयुक्त कार्यवाही करें तथा सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं। साथ ही जिन क्षेत्रों में खनिज का अवैधन परिवहन किया जाता है। उन क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग की जाए।कलेक्टर ने कहा कि रेत एवं कोयले के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के लिए चिन्हित स्थानों एवं मार्गों में संबंधित एसडीएम के मार्गदर्शन में सतत रूप से कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रेत उत्खनन हेतु शासन द्वारा जो स्थान चिन्हित किए गए हैं उन अधिकृत स्थानों की नियमित जांच की जाए। बिना नम्बर एवं फर्जी नम्बर वाले वाहनों की ई-नाका के माध्यम से सूची प्राप्त कर जिला परिवहन अधिकारी को दी जाए। जिससे उन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जा सके। कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी को पुलिस, खनिज, वन एवं राजस्व अधिकारियों के साथ ओचक जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन से ग्रामीण क्षेत्रों की सड़के डैमेज होती हैं। संबंधित एसडीएम पब्लिक न्यूसेंस के तहत प्रकरण दर्ज कराकर संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में जिला खनिज अधिकारी बरा बताया गया कि 13 वाहन जप्त किए गए हैं। कलेक्टर ने इन वाहनों की लोकेशन लेकर परिवहन अधिकारी को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने कहा कि खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने हेतु आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही जिला स्तर से भी पेट्रोलिंग की जाएगी। आपने बुढ़ार जनपद पंचायत में अवैध रूप से संचालित कोयला खदानों को बंद करने की भी कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल, डीएफओ तरुणा वर्मा तथा श्रद्धा पेंड्रे, एसडीएम जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी सुश्री अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर दीपक मंडावी, जिला परिवहन अधिकारी, जिला खनिज अधिकारी राहुल शानिहट्य तथा पर्यावरण विभाग से श्री पटेल उपस्थित रहे।



आवारा मवेशियों का ‘हांका’ लेकर तहसील पहुंचे किसान, फसलों की बर्बादी पर फूटा आक्रोश

शहडोल। अन्ना मवेशियों के तांडव और तबाह होती फसलों से आजिज आ चुके किसानों के सन्न का बांध आखिरकार सोमवार को टूट गया। जिला पंचायत सदस्य और सहकारिता व उद्योग विभाग के अध्यक्ष दुर्गा तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में किसान बुड़वा, बुड़ा, रामपुरा, कुटिया, जगमल और करौंदिया समेत आसपास के दो दर्जन गांवों से आवारा मवेशियों का विशाल हांका लेकर ब्यौहारी तहसील कार्यालय की ओर कूच कर पड़े। सड़कों पर मवेशियों का यह अनूठा काफिला देखकर प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस और राजस्व अधिकारियों की मुस्तैद टीम ने किसी तरह विशाल काफिले को रास्ते में ही रोक लिया, जिसके बाद मुख्य मार्ग पर ही तोखी बहस और मांगों पर वार्ता का दौर शुरू हो गया।जिला पंचायत सदस्य दुर्गा तिवारी ने पूर्व में ही अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) ब्यौहारी को ज्ञापन सौंपकर आगाह किया था कि क्षेत्र क्रमांक-2 की 22 ग्राम पंचायतों में हजारों की संख्या में बेसहारा गोवंश सड़कों और कृषि खेतों में खुलेआम घूम रहा है। दिन-रात मेहनत कर उगाई गई किसानों की लललहाती फसलें ये मवेशी चढ़ जा रहे हैं, जिससे

उज्बेकिस्तान के चार दिवसीय दौरे पर जाएंगी सांसद हिमाद्री सिंह

उज्बेकिस्तान के चार दिवसीय दौरे पर जाएंगी सांसद हिमाद्री सिंह

जोगिन्दर सिंह हत्याकांड: बुढ़ार न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

5 आरोपियों को उम्रकैद, पुलिस की सूक्ष्म विवेचना और अभियोजन के तर्कों से 2 वर्ष में मिला न्याय

बुढ़ार न्यायालय ने बहुचर्चित जोगिन्दर सिंह हत्याकांड में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए पांच मुख्य आरोपियों को उम्रकैद व अर्थदंड से दंडित किया है। महज दो वर्ष के भीतर आए इस फैसले की रीढ़ बुढ़ार पुलिस की सटीक वैज्ञानिक विवेचना और लोक अभियोजकों की अकाट्य दलीलें रहीं, जिसने बचाव पक्ष के हर पैतरे को ध्वस्त कर दिया।

शहडोल। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल के न्यायालय ने टिकुरी टोला में घटित जोगिन्दर सिंह हत्याकांड के सत्र प्रकरण क्रमांक 43/2024 में धारा 302, 149 और 120न्च भारतीय दंड संहिता के तहत सुनवाई करते हुए आरोपी लाला बैगा उर्फ मड्डू, अंजू उर्फ अंजली द्विवेदी, प्रियंका मिश्रा, सैलजा उर्फ अलका मिश्रा तथा आभा द्विवेदी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। दो वर्ष की अल्प अवधि में न्यायालय द्वारा पूर्ण किए गए इस विचारण से पीड़ित परिवार को न्याय मिला है और न्यायपालिका के प्रति जनमानस का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है। पूरे मामले का घटनाक्रम 27 मई 2024 की रात करीब 09 बजे का है। टिकुरी टोला वार्ड क्रमांक 15 निवासी फरियादिया शेफाली सिंह (22 वर्ष) अपने घर की छत पर टहल रही थीं, जबकि उनके पिता जोगिन्दर सिंह चंदेल टहलते हुए नए घर की तरफ जा रहे थे। स्ट्रीट लाइट की रोशनी में जैसे ही वे पड़ोस में कुशमी कोल के घर के सामने पहुंचे, तभी पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसी दीपक सिंह, अंजू उर्फ अंजली द्विवेदी और प्रियंका मिश्रा ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने गालियां देते हुए हत्या की नीयत से जानलेवा हमला कर दिया।

न्यायालय के सामने किया वार

दीपक सिंह लोहे की रॉड, अंजू डंडे से और प्रियंका हाँकी स्टिक से जोगिन्दर सिंह के सिर व शरीर पर प्राणघातक वार करने लगे। शोर सुनकर छत से नीचे उतरी बेटी शेफाली सिंह बीच-बचाव करने पहुंची, तो आरोपियों ने उसे जमीन पर पटककर लात-घुंसों से पीटा। इसी दौरान दीपक सिंह के पक्ष में लाला उर्फ मड्डू बैगा, आभा द्विवेदी, दो विधि-विरुद्ध नाबालिग बालक एवं तीन अन्य लाठी-डंडा और रॉड लेकर मौके पर आ धमके। बचाव में आए पड़ोसी अजीत सिंह पर भी हमला कर लहलुहान कर दिया गया। सभी आरोपी आज घेर-घेर कर जान से खतम कर देगे की धमकी देकर भागे। इसके बाद जब शेफाली ने मिष्ठान भंडार में काम कर रही बड़ी बहन शिवानी को पुलिस बुलाने भेजा, तो न्यायालय बुढ़ार के सामने स्कूटी सवार आरोपियों और एक नाबालिग ने शिवानी का रास्ता रोककर डंडे से सिर पर वार कर उसे भी गंभीर रूप से घायल कर दिया।

शहडोल की बेटी का वैश्विक सम्मान 30 अगस्त को प्रधानमंत्री को मिले उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान ने बढ़ाया देश का गौरव

शहडोल। 30 अगस्त रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय एवं नागरिक सम्मान ओली दराजली दोस्तलिक - उच्चतम मित्रता ऑर्डर से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मान उनका व्यक्तितगत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है और उन्होंने इसे भारत-उज्बेकिस्तान की सदियों पुरानी मित्रता को समर्पित किया। इसी अवसर पर दोनों देशों ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। शहडोल की बेटी का वैश्विक मंच पर चयन - इसी ऐतिहासिक मित्रता को और सशक्त करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह को भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयन किया गया। 04 सितंबर से 07 सितंबर 2026 तक चार दिवसीय यात्रा पर तीन युवा सांसदों का प्रतिनिधिमंडल उज्बेकिस्तान जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष झुमरा मार्व 2026 में गठित भारत-उज्बेकिस्तान संसदीय मैत्री समूह में देश की 543 सदस्यीय लोकसभा से केवल तीन युवा सांसदों का चयन किया गया है। इसमें शहडोल की बेटी सांसद हिमाद्री सिंह का नाम शामिल होना पूरे मध्यप्रदेश और शहडोल

संसदीय क्षेत्र के लिए बड़े गर्व का विषय है। शहडोल की बेटी, युवा नेतृत्व की पहचान - हिमाद्री सिंह शहडोल की धरती की वह बेटी हैं जिन्होंने आदिवासी समाज की युवा महिला के रूप में संसद में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। पूज्य माता-पिता दोनों के सांसद रहने की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सिद्ध किया है कि युवा शक्ति जब सेवा के भाव से आती है तो, वैश्विक मंच पर भी देश का नाम रोशन करती है। उनका यह चयन इस बात का प्रमाण है कि शहडोल की आवाज अब केवल दिल्ली तक नहीं, बल्कि वैश्विक मंचों तक सुनी जा रही है। वैंकटनगर को मिली चिकित्सा की सौगात - विदेश में देश का मान बढ़ाने के साथ-साथ सांसद ने अपने क्षेत्र की जमीनी समस्या को भी नहीं गुलाया। वैंकटनगर रेलवे स्टेशन बिलासपुर-कटनी रेल खंड का महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र है। कोरोना काल में बंद हुई बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस (18233/18234) के ठहराव को पुनः बहाल कराने के लिए सांसद ने रेल मंत्रालय और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समक्ष लगातार पेरवी की, जिसका परिणाम है कि मंत्रालय ने ठहराव को पुनः मंजूरी दे दी है। 05 सितंबर को जनता द्वारा ऐतिहासिक हरी झंडी- चूँकि सांसद हिमाद्री सिंह जी 05 सितंबर से उज्बेकिस्तान के राजकीय दौरे पर रहेंगी, इसलिए दिनांक 05 सितंबर 2026 को वैंकटनगर रेलवे स्टेशन पर नर्मदा एक्सप्रेस को स्थानीय नागों, व्यापारियों, भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा ही हरी झंडी दिखाकर पुनः शुभाग्रम किया जाएगा। यह लोकतांत्रिक मूल्यां और जन-भागीदारी की ऐतिहासिक मिसाल होगी।



जिला जेल में बंद महिला कैदी की इलाज के दौरान मौत

शहडोल। जिला जेल में धारा 138 (चेक बाउंस) के मामले में सजा काट रही एक 64 वर्षीय महिला कैदी की सोमवार को अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में मृत्यु हो गई।चिकित्सकों के अनुसार महिला की मौत का प्राथमिक कारण दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पडना बताया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतका पुष्पा बघेल (64 वर्ष) चेक अनादर के एक मामले में न्यायालय से दोषी ठहराए जाने के बाद गत 14 जुलाई 2026 से शहडोल जिला जेल में निरुद्ध थीं। उन्हें अदालत द्वारा एक सजा सुनाई गई थी।

सुबह अचानक बिगड़ा रवतचाप

जेल सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 31 अगस्त की सुबह लगभग 9:35 बजे पुष्पा बघेल की तबीयत अचानक खराब हो गई। उनका रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) तेजी से गिरने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जेल प्रबंधन ने उन्हें सुरक्षा प्रहरियों के साथ तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के उपरांत महिला की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज संदर्भित (रेफर) कर दिया। मेडिकल कॉलेज के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) वार्ड में डॉक्टरों की टीम ने उनका उपचार

शुरू किया, किंतु दोपहर लगभग 12:37 बजे इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मेडिकल रिपोर्ट में हृदयघात का उल्लेख

चिकित्सकीय जांच रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मृत्यु का कारण एक्स्ट्रा एंटेरोलेटरल एमआई यानी गंभीर हृदयघात दर्शाया गया है। चिकित्सकों ने स्पष्ट किया है कि अस्पताल में उपचार के दौरान महिला को दोबारा दिल का दौरा पड़ा, जिसके कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृत्यु का प्रकार प्राकृतिक दर्ज किया गया है।

चेक बाउंस मामले में भुगत रही थीं सजा

विभागीय दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2017 के चेक बाउंस प्रकरण में न्यायालय द्वारा 28 मार्च 2025 को पुष्पा बघेल को एक वर्ष की कैद और 8 लाख 79 हजार रुपये से अधिक के मुआवजे का आदेश सुनाया गया था। इस निर्णय के विरुद्ध दाखिल अपील खारिज होने के पश्चात वे पिछले डेढ़ महीने से जेल में बंद थीं। जेल अधीक्षक भ्रमकर पांडे ने बताया कि महिला बंदी की तबीयत खराब होने से सूचना मिलते ही बिना किसी विलंब के उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। चिकित्सकों के भरपूर प्रयासों के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका। घटना की वैधानिक सूचना संबंधित अधिकारियों एवं परिजनों को दे दी गई है।



इलाज के दौरान हुई मौत

गंभीर रूप से घायल और अचेत जोगिन्दर सिंह को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां से नाजुक हालत में उन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। सिर और मस्तिष्क में आई गंभीर चोटों के कारण 16 जून 2024 को इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद सड़ित हरकिशोर द्वारा जायसवाल और विवेचना अधिकारी उपनिरीक्षक उमाशंकर चतुर्वेदी द्वारा की गई सूक्ष्म और पेशेवर विवेचना पूरे प्रकरण की मजबूत नींव बनी। पुलिस ने घटना के तत्काल बाद न केवल घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर नजरी नक्शा और हल्का पटवारी से अधिकृत नक्शा तैयार कराया, बल्कि मौके से खून-आतूवा मिट्टी और सादी मिट्टी विधिवत जप्त की।

रासायनिक परीक्षण के साथ हुई डीएनए जांच

पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर उनके मेमोरेंडम बयानों के आधार पर अपराध में प्रयुक्त बांस का डंडा, लकड़ी का डंडा, हाँकी स्टिक और टीवीएस जुपिटर स्कूटी को जप्त कर मालखाने में सीलबंद करवाया। इसके बाद विवेचना टीम ने इन सभी घातक हथियारों को अस्पताल भेजकर डॉक्टर से तकनीकी क्वेरी कराई, जिसमें डॉक्टर ने स्पष्ट प्रतिवेदन दिया कि मृतक के सिर पर आई चोटें इन्हीं हथियारों से संभव थीं और यही मृत्यु का मुख्य कारण बनीं। इन हथियारों और रक्त नमूनों को रासायनिक परीक्षण व डीएनए जांच हेतु आरएफएसएल जबलपुर भेजा गया।

क्रास कायमी विवेचना में शामिल

इतना ही नहीं, आरोपियों ने कानूनी शिकंजे से बचने के लिए घटना के अगले ही दिन 28 मई को मृतक जोगिन्दर सिंह के खिलाफ थाने में जो क्रास रिपोर्ट (अपराध क्र. 371/24) दर्ज

कराई थी, पुलिस ने उसी क्रास कायमी को अपनी विवेचना में शामिल कर अदालत में यह अकाट्य तथ्य स्थापित कर दिया कि घटना के समय सभी आरोपी मौके पर प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित थे। फरियादिया और प्रत्यक्षदर्शियों के धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराकर पुलिस ने 90 दिन की विधिक समयसीमा से पूर्व ही चालान क्रमांक 446/2024 अदालत में पेश कर दिया, जबकि दो विधि-विरुद्ध नाबालिग बालकों के खिलाफ किशोर न्याय बोर्ड में पृथक पूरक चालान प्रस्तुत किया गया।

पूर्व नियोजित षड्यंत्र

न्यायालय के विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक आलोक राय एवं अशोक सिसौदिया ने अत्यंत प्रभावी, तार्किक और आक्रामक पैरवी की। लोक अभियोजक द्वय ने मेडिकल साक्ष्यों, डॉक्टर क्वेरी, फॉरेंसिक विश्लेषण और चस्पदीदों के बयानों को परस्पर जोड़ते हुए अदालत में ऐसा अभेद्य ताना-बाना पेश किया कि बचाव पक्ष के वकीलों की कोई भी दलील टिक नहीं सकी। लोक अभियोजक आलोक राय और अशोक सिसौदिया के अकाट्य तर्कों ने यह निर्विवाद रूप से सिद्ध कर दिया कि सभी आरोपियों ने पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत गैर-कानूनी जमावड़ा बनाकर जोगिन्दर सिंह की हत्या की थी।

मुख्य आरोपी देश छोड़कर भागा

प्रकरण में नामजद मुख्य आरोपी दीपक सिंह घटना दिनांक से ही फरार है, जिसके संबंध में सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए देश छोड़कर विदेश भाग चुका है। पुलिस ने उसकी संपत्ति कुर्की हेतु न्यायालय से धारा 84 के तहत उद्घोषणा कराने के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गिरफ्तारी पर इनाम घोषित कराया है और फरार आरोपियों के विरुद्ध धारा 173(8) के तहत विवेचना जारी रखी है। अपर सत्र न्यायालय का यह कड़ा फैसला कानून के राज की मिसाल बनकर सामने आया है।

भरभराकर ढहा कच्चा मकान: मलबे में दबा बैगा परिवार और आधा दर्जन मवेशी



मलबे की जोरदार आवाज से सहमा गांव

मिली जानकारी के अनुसार, रामप्रसाद बैगा का परिवार अपने कच्चे मकान में मौजूद था। तभी बारिश से सीली मिट्टी की दीवारें अचानक ढह गईं और भारी-भरकम मलबा रामप्रसाद, उनकी पत्नी सोमवती तथा पुत्र रोहित पर आ गिरा। तेज धमाके जैसी आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मुस्तेदी दिखाते हुए बारिश के बीच ही मौके की ओर दौड़े। गांव वालों ने बिना समय गंवाए मलबे को हाथों से हटाना शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, इस हादसे में परिवार के तीनों सदस्यों



उत्कृष्ट बालक छात्रावास के छात्रों को मिलेगी कोचिंग की सुविधा

उमरिया। जिला स्तरीय उत्कृष्ट सीनीयर बालक छात्रावास में कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक के निवासरत छात्रों को अंग्रेजी, विज्ञान, गणित एवं कम्प्यूटर की कोचिंग दी जाएगी। अधीक्षक ने कोचिंग देने वाले पुरूष शिक्षकों से 9 सितंबर तक आवेदन करने में अपेक्षा की है। संबंधित विषय में शिक्षक को ग्रेजुएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है जबकि कम्प्यूटर शिक्षक को बीसीए, पीजीडीसीए होना अनिवार्य है । बीएड एवं डीएड प्रशिक्षित आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सुधीर शुक्ला का निधन



मानपुर। अत्यंत दुखी हृदय से सूचित किया जा रहा है कि विजय कुमार शुक्ला एवं संजय शुक्ला के अनुज सुधीर शुक्ला का गत 21 अगस्त 2026 को गृह ग्राम मानपुर में स्वर्गवास हो गया। उनके आकस्मिक निधन से क्षेत्र और शुक्ला परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। दिवंगत आत्मा की शांति एवं सद्गति हेतु धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 25 अगस्त को चतुर्थी एवं 31 अगस्त को दशमी का विधान संपन्न हुआ। आगामी 1 सितंबर को एकादशी, 2 सितंबर को सपिंडन श्राद्ध तथा 3 सितंबर 2026 को तेरहवीं का कार्यक्रम आयोजित है। शोकाकुल शुक्ला परिवार ने समस्त इष्ट-मित्रों, संबंधियों एवं शुभचिंतकों से उक्त कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करने का नम्र अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न



उमरिया। आयुष्मान भारत उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री एक्सीलेंस रण विजय प्रताप सिंह महाविद्यालय कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अमित कुमार निगम के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में उपस्थित 190 छात्र.छात्राओं की एनीमिया की जांच ओरल स्क्रीनिंग, आंखों की जांच, एड्स एवं जागरूकता, सामान्य जांच एवं परामर्श सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इस दौरान आवश्यकतानुसार रेफर एवं दवाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर डॉक्टर ए पी गुप्ता सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी यासमीन राजा मंसूरी परामर्शदाता पूजा पांडे आई टेक्नीशियन अभय शर्मा, एएनएम मंजु यादव द्वारा स्वास्थ्य एवं परामर्श में उपलब्ध कराई गई परामर्शदा द्वारा उमंग स्वास्थ्य केंद्र की सेवाएं से लाभ लेने एवं टैली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 का उपयोग करने हेतु छात्र.छात्राओं से अपील की गई।

कच्ची दीवार महिला के ऊपर गिरी, पैर की हड्डी टूटी



कोतमा। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण पुराने एवं कच्चे मकानों और जर्जर दीवारों के धराशायी होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे नगर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित बनियाटोला में कच्ची दीवार अचानक एक महिला के ऊपर गिर गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसके पैर की हड्डी टूट गई। जानकारी के अनुसार किरण नामदेव (44) पति मनोज निवासी बनियाटोला सिगड़ी जला रही थीं। इसी दौरान पड़ोसी रामेश्वर की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर महिला के ऊपर गिर गई। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। परिजन और पड़ोसियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मलबे से महिला को बाहर निकाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा पहुंचाया। अस्पताल में जांच के दौरान महिला के पैर की हड्डी टूटने के साथ कमर में भी गंभीर चोटें पाई गईं। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उन्हें बेहतर उपचार के लिए शहडोल जिले के एक निजी चिकित्सालय ले गए, जहां उन्हें भर्ती कराया गया है। भारी बारिश के कारण कोतमा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पुराने और जर्जर मकानों तथा कच्ची दीवारों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इन हादसों में जहां लोगों के सामान को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं कई लोग घायल भी हो चुके हैं। बारिश के दौरान जर्जर भवनों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।



चालान काटने में मुस्तैद, व्यवस्था सुधारने में पस्त

तीन-तीन ‘थ्री स्टार’ अफसर तैनात, फिर भी बदहाली के गर्त में यातायात

गांधी चौक से स्टेशन तक सड़कों पर कब्जा नगरपालिका और यातायात पुलिस की

नाकामी का खामियाजा भुगत रहे शहरवासी

उमरिया। जिला मुख्यालय की सड़कों पर व्यवस्था का दम घुट रहा है और आम नागरिक रोजाना ट्रैफिक जाम के चकव्यूह में पिसने को मजबूर हैं। कागजों पर यातायात थाना हाई-टेक और भारी-भरकम अमले से लैस है, लेकिन जमीन पर पुलिस का अस्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आता। शहर के हालात देखकर ऐसा लगता है कि उमरिया में यातायात विभाग नाम का कोई महकमा ही नहीं है, या फिर अधिकारियों ने शहर को उसके अपने हाल पर छोड़ दिया है।

उमरिया यातायात थाने का अमला किसी बड़े जिले की तर्ज पर भारी-भरकम है। थाने में निरीक्षक ज्योति शुक्ला, आरआई शरद श्रीवास्तव और आरआई प्रियंका शर्मा के रूप में तीन-तीन ‘थ्री स्टार’ (तीन सितारा) आला अधिकारी तैनात हैं। इसके अलावा दो उप-निरीक्षक, चार सहायक उप-निरीक्षक, आठ हेड कांस्टेबल और पांच कांस्टेबल भी पदस्थ हैं। इतने बड़े प्रशासनिक लश्कर के बावजूद जिले की यातायात व्यवस्था सुधारने के बजाय दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। सवाल यह उठ रहा है कि इतने अफसरों की फ़ौज आखिर किस काम की, जब वे जिले के मुख्य चौराहे गांधी चौक की अव्यवस्था भी दुरुस्त नहीं कर पा रहे? क्या इन अधिकारियों की जिम्मेदारी सिर्फ़ वाहनों के चालान काटने तक सीमित है,



या फिर जमीनी व्यवस्था सुधारने की भी?

चालानी कार्रवाई में तेजी, सड़क सुधारने में सुस्ती

यातायात पुलिस जिस मुस्तैदी और आक्रामकता के साथ होंडा शोरूम, रमपुरी चौक, घंघरी और स्टेशन चौक पर चालान काटने की मुहिम चलाती है, अगर उसकी आधी इच्छाशक्ति भी शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने में लगा दी जाए, तो तस्वीर बदल सकती है। पूर्व कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक द्वारा जिस पाली रोड को वन-वे घोषित किया गया था, वह

योजना आज भी ठंडे बस्ते में धूल फांक रही है। त्र्योहारी सीजन सिर पर है, लेकिन मुख्य सड़कों पर दोपहिया वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी दूभर हो चुका है। दुकानों के बाहर सड़कों तक फैला सामान और बेतरतीब खड़े चार पहिया वाहन अफसरों की कार्यशैली की पोल खोल रहे हैं।

सड़कें हैं या मीना बाजार

गांधी चौक से रणविजय चौक होते हुए कालरी स्कूल और कागजी सब्जी मंडी की ओर जाने वाली सड़क की हालत देखकर कोई भी नया व्यक्ति यह नहीं समझ पाएगा कि यह किसी

जिले का मुख्यालय है या कोई मीना बाजार। सड़क पर दोनों तरफ़ नुकिले कीलों, रस्सियों और पत्थरों के सहारे बंधे पीले-नीले तिरपाल तने हुए हैं। जिसे जहां जगह मिल रही है, वहीं सब्जी की दुकान, टोकरी और मिट्टी के बर्तन सजाकर बैठ जाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो सड़क न होकर कोई विशाल मेला ग्राउंड हो, जहां वाहन चालक जबरदस्ती गाड़ियां घुसा रहे हों।

स्थाई सब्जी मंडी नसीब न हुई

हाल ही में नगर पालिका ने अपनी वर्षगांठ गौरव दिवस के रूप में मनाई, लेकिन यह कितने गौरव की बात है कि पूरी शताब्दी बीत जाने के बाद भी शहर को एक स्थाई सब्जी मंडी नसीब नहीं हो सकी। करोड़ों रुपये की लागत से जिस सब्जी मंडी का ढिंढोरा पीटा गया था, वहां आज सिर्फ़ कपड़ों का बाजार सज रहा है। नतीजा यह है कि स्टेशन चौक, जयस्तंभ, रणविजय चौक से लेकर घंघरी नाके तक हर सड़क ही सब्जी मंडी में तब्दील हो चुकी है।

अहंकार की बलि चढ़ता सामंजस्य

शहर में अव्यवस्था का सबसे बड़ा कारण नगर पालिका और यातायात विभाग के बीच आपसी सामंजस्य का पूरी तरह अभाव होना है। दोनों विभागों के बीच चीन की दीवार जैसी खाई खींच चुकी है। नया प्रशासन की नाक के नीचे फुटपाथ पर दुकानें सज रही हैं, और यातायात विभाग आंखें मूंदकर तमाशा देख रहा है। यदि दोनों विभाग आपसी खींचतान छोड़कर एक सप्ताह भी ईमानदारी से संयुक्त कार्रवाई चला दें, तो शहर का नक्शा बदल सकता है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में विलंब करने वाले जिम्मेदार व्यक्तियों के वेतन काटे: कलेक्टर



कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश

दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। आगामी 3 सितंबर को करकेली विकासखंड अंतर्गत चंदिया में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर आयोजन किया जाएगा। शिविर आयोजन से पूर्व संबंधित क्षेत्र की शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की

सभी उचित मूल्य दुकानों का नियमित भ्रमण कर खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाने की कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्ड बनाने वाले जिम्मेदार व्यक्तियों के वेतन काटे जाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में जीर्णो जीर्ण भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने शहरी क्षेत्र में नालियों की नियमित साफ सफाई के निर्देश देते हुए कहा कि जिन वार्डों में नालियां नहीं है वहां नाली निर्माण के प्रस्ताव बनाएं। कलेक्टर ने जल निगम के कार्यों के विलंब पर नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिशनर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत अन अटेंडेंट स्थिति में न रहे।

पीडब्ल्यूडी के पुराने रेस्ट हाउस के स्थान पर सुविधायुक्त नवीन विश्राम गृह बनाया जाएगा

उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शासकीय संस्थाओं तथा परिसंपत्तियों के निरीक्षण के दौरान गत दिवस कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उमरिया जिला मुख्यालय में पीडब्ल्यूडी के पुराने रेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि उमरिया में सर्व सुविधायुक्त नवीन विश्राम गृह की आवश्यकता है।

पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जारी नवीन दिशा निर्देशों के अनुसार आम जन पीडब्ल्यूडी के विश्राम गृहों को ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। बांधवगढ़ नेशनल पार्क आने वाले पर्यटकों के रुकने के लिए भी विश्राम गृह मददगार साबित होगा। साथ ही विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों तथा शासकीय



कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को कार्य योजना बनाने के लिए निर्देश

अधिकारियों कर्मचारियों के लिए भी यह रूकने का स्थान बन सकेगा। कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने रेस्ट हाउस के स्थान पर

सुविधायुक्त विश्राम गृह बनाने की कार्य योजना एक सप्ताह में प्रस्तुत करें ताकि उसे शासन स्तर को प्रेषित कर स्वीकृत कराने की कार्यवाही की जा सके।

मार्शल आर्ट की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में साधना आर्मो ने जीता कांस्य पदक



जैतहरी का बढ़ाया गौरव

जैतहरी। नोबल हायर सेकेंडरी स्कूल इंग्लिश मीडियम जैतहरी की प्रतिभावान छात्रा कुमारी साधना सिंह आर्मो ने इंदौर में आयोजित मार्शल आर्ट की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित जैतहरी क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। कुमारी साधना सिंह आर्मो, पिता मानसिंह आर्मो जो सिंगरौली में तहसीलदार के पद पर पदस्थ हैं तथा माता श्रीमती लीलावती आर्मो, जैतहरी में शिक्षिका

हैं। साधना पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वह नोबल हायर सेकेंडरी स्कूल की हेड गर्ल भी हैं और विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं में शामिल हैं। इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में साधना ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी इस सफलता ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जैतहरी क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। साधना की उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक जफर खान, प्राचार्य शकीला खान, शिक्षक महफूज खान सहित समस्त विद्यालय स्टाफ ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं ब्लॉक समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग जैतहरी, स्टेट रेफरी एवं नेशनल ट्रेनर वॉलीबॉल दिनेश कुमार सिंह चंदेल सहित क्षेत्र के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों ने भी साधना के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। खेल प्रेमियों ने कहा कि साधना की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। सभी ने उम्मीद जताई कि वह आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में देश और क्षेत्र का नाम रोशन करते हुए पदक अर्जित करेंगी।

मोटर बाइंडिंग दुकान में चोरी का असफल प्रयास, ताला जलाकर तोड़ने की कोशिश

कोतमा। नगर के पुराने रेलवे फाटक के पास स्थित मो. तजमुल की मोटर बाइंडिंग दुकान में रविवार की दरमियानी रात चोरी का असफल प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने दुकान के ताले पर पेट्रोल डालकर आग लगाई और ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटों के कारण घटना का खुलासा हो गया। जानकारी के अनुसार 30 अगस्त की रात अज्ञात बदमाशों ने दुकान का ताला तोड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान स्टेशन चौक कोतमा से अपने घर की ओर जा रहे अनिल पोथन की नजर दुकान के ताले से उठ रही आग की लपटों पर पड़ी। उन्होंने तत्काल रुककर इसकी सूचना पुलिस और आसपास के लोगों को दी। सूचना मिलते ही रात्रि गश्त पर मौजूद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग कर संदिग्धों की तलाश की। बताया जा रहा है कि घटनास्थल के पास से पेट्रोल की एक बोतल भी बरामद हुई है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पेट्रोल डालकर



ताला जलाने का प्रयास किया था। दुकान संचालक मो. तजमुल ने बताया कि दुकान में मोटर बाइंडिंग से संबंधित सामग्रों के साथ बड़ी मात्रा में तांबे के तार और अन्य विद्युत सामान रखा रहता है। तांबे की बढ़ती कीमतों को देखते हुए आशंका है कि चोरों की नजर इन्हीं सामानों पर रही होगी। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर नागरिकों में

ताला जलाने का प्रयास किया था। दुकान संचालक मो. तजमुल ने बताया कि दुकान में मोटर बाइंडिंग से संबंधित सामग्रों के साथ बड़ी मात्रा में तांबे के तार और अन्य विद्युत सामान रखा रहता है। तांबे की बढ़ती कीमतों को देखते हुए आशंका है कि चोरों की नजर इन्हीं सामानों पर रही होगी। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर नागरिकों में

नाराजगी है। लोगों का कहना है कि कबाड़ चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है, क्योंकि इनके द्वारा आए दिन घरों और दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज के आधार पर संदिग्ध आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

संगीत प्रेमियों द्वारा किया गया संगीतमयी कार्यक्रम का आयोजन



कोतमा। नगर के संगीत प्रेमियों द्वारा शनिवार को अटल चौपाटी में सुनहरी यादें संगीतमयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाम से शुरू हुए इस सांगीतिक कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के लोकप्रिय गीतों की मधुर धुनों ने माहौल को

यादगार बना दिया। स्थानीय कलाकारों ने महान पाश्चायकों मुकेश, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर और आशा भोसले के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को पुराने दौर के लोकप्रिय गीतों की मधुर धुनों ने माहौल को

से भी कलाकार आमंत्रित किए गए थे। कार्यक्रम में मनोज सोनी, संजय सराफ, संदीप शिवहरे, शरद समुद्रे, आमीन वारसी, प्रकाश शिवहरे, बृजकिशोर, अनीश अहमद, लकी जैन, हरिओम, सोनू, अमन, आरती, आफरीन, सचिन तिवारी, नीलेंद्र तिवारी, पंकज मोटवानी सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सुनहरी यादों के माध्यम से कलाकारों ने अपनी पसंद के गीत प्रस्तुत किए। मुकेश के दर्दभरे नगमों से लेकर रफी की सुरिली आवाज, किशोर कुमार के रोमांटिक और मस्तीभरे गीतों के साथ लता मंगेशकर व आशा भोसले के लोकप्रिय गीतों ने उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया। नगर में संगीत से जुड़े रहने वाले कलाकार उमाशंकर नामदेव, शिवकुमार गुप्ता, सजन तोमर, गोविंद शीतपाल, रवि गुप्ता सहित अन्य लोगों के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई।

संतान की सुख समृद्धि के लिये माताओं ने रखा बहुला चौथ व्रत

कोतमा। हिंदू धर्म में बहुला चतुर्थी व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। यह व्रत मुख्य रूप से भगवान श्रीगणेश को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा करने से संतान की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना पूरी होती है। सोमवार को माताओं ने अपनी संतान के उज्ज्वल भविष्य और परिवार की सुख-शांति के लिए व्रत रखते हुए शाम बखड़े की पूजा की। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया गया।



खबर संक्षेप

पीएम स्वनिधि योजना से छोटे व्यवसायियों को

मिल रहा आर्थिक संबल कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के पथ विक्रेताओं एवं छोटे व्यवसायियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। योजना के तहत पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को बिना संपार्श्विक सुरक्षा के चरणबद्ध कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 15 हजार, द्वितीय चरण में 25 हजार तथा तृतीय चरण में 50 हजार तक का ऋण प्राप्त किया जा सकता है। ऋण की समय पर अदायगी करने पर हितग्राही अगले चरण के लिए पात्र बनते हैं। प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण की पुनर्भुगतान अवधि क्रमशः 12, 18 और 36 माह निर्धारित है। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी, डिजिटल लेन-देन पर प्रोत्साहन तथा द्वितीय ऋण का सफलतापूर्वक भुगतान करने वाले विक्रेताओं के लिए 30 हजार तक की यूपीआई-लिंकड क्रेडिट कार्ड सुविधा भी उपलब्ध है।

मटमैले पानी की शिकायत पर पहुंची ननि की टीम

कटनी। नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहरवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निगरानी की जा रही है। माधव नगर क्षेत्र की इंदिरा ज्योति कॉलोनी में मटमैले पानी की आपूर्ति संबंधी सूचना प्राप्त होते ही निगम प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया और जल प्रदाय विभाग की टीम को तत्काल मौके पर भेजकर स्थिति की जांच कराई। जलप्रदाय टीम ने कॉलोनी पहुंचकर जल आपूर्ति व्यवस्था, पाइपलाइन एवं पानी की गुणवत्ता की जांच की तथा आवश्यक परीक्षण एवं निरीक्षण किए जाने पर क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति सामान्य पाई गई। मौके पर मौजूद क्षेत्रीय नागरिकों ने भी वर्तमान में शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होने की जानकारी दी। निगम प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। जलप्रदाय से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर निगम द्वारा उसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अमले को तत्काल मौके पर भेजकर वास्तविक स्थिति की जांच की जा रही है तथा समस्या पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई कर उसका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पेयजल आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत को जानकारी निगम कार्यालय, जौन कार्यालय अथवा कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराएं, ताकि संबंधित टीम द्वारा स्थल निरीक्षण कर कार्रवाई करते हुए समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके।

आशुतोष शुक्ला का निधन

कटनी। नगर निगम एल्डरमैन आशुतोष शुक्ला का रविवार को अचानक निधन हो गया। परिजनों के अनुसार तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल कटनी के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जबलपुर रेफर कर दिया, जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। आशुतोष भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। हाल ही में राज्य सरकार ने उन्हें कटनी नगर निगम में एल्डरमैन नियुक्त किया था। उनके निधन की खबर से शोक की लहर दौड़ गई है।

तीन स्थानों में मारपीट की हुई घटनाएं

कटनी। कुठला क्षेत्र तीन अलग-अलग स्थानों पर मारपीट की घटना हुई। जानकारी के अनुसार ग्राम डिंडवारा शासकीय स्कूल के पास रोहित कोल 21 के साथ गांव के ही सावन कोल, विजय कोल, राजकमल कोल और अंकित चौधरी ने एकराय होकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी तर मझगांव फाटक खैरमाई मंदिर के पास मोहन चौधरी (28) पर सोनू चौधरी और सूरज चौधरी ने हमला कर दिया। वहीं ग्राम बिस्तरा में मनोज विश्वकर्मा (39) के साथ रमेश पटेल और लालमन पटेल ने मारपीट की।

शहडोल पुलिस का आधी रात को विशेष गश्त अभियान

118 वारंटियों पर कसता शिकंजा, 41 स्थाई और 77 गिरफ्तारी वारंट तामील

शहडोल।

कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और लंबे समय से कानून की नजरी से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए शहडोल पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में जिले भर में चलाए गए एक विशेष रात्रि गश्त अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ दबिशा देकर कुल 118 वारंटों की प्रभावी तामीली कराई है। पुलिस की इस अचानक हुई घेराबंदी और सख्त कार्रवाई से जिले भर के असामाजिक तत्वों और फरारी काट रहे अपराधियों में हडकंप मच गया है।

अभियान के तहत 30 अगस्त तक जिले के सभी थाना क्षेत्रों में लंबित पड़े स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटों की सूक्ष्म समीक्षा की गई थी। इसके पश्चात थानों की पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में देर रात दबिशा देकर सघन जांच अभियान चलाया। इस विशेष



प्रयास के परिणामस्वरूप वर्षों से पेंडिंग पड़े 1,306 स्थाई वारंटों में से 41 कुख्यात वारंटियों को खोज

निकालकर वारंट तामील कराए गए। साथ ही 507 लंबित गिरफ्तारी वारंटों में से 77 आरोपियों पर

त्वरित वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया गया।थानावार कार्रवाई में सबसे बेहतरीन

प्रदर्शन कोतवाली पुलिस का रहा, जिसने सर्वाधिक 23 वारंट तामील कराए, जिनमें 3 स्थाई और 20 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। वहीं बुढ़ार पुलिस ने भी शानदार सफलता हासिल करते हुए 14 स्थाई और 7 गिरफ्तारी वारंट मिलाकर कुल 21 वारंटियों पर शिकंजा कसा। इसी तरह सीधी थाने ने 10, अमलाई ने 8 स्थाई वारंट, जबकि सोहागपुर, ब्यूहारी, जयसिंहनगर और गोहपारू थानों ने 7-7 वारंट तामील कराने में सफलता पाई।

इसके अलावा देवलौद और सिंहपुर पुलिस ने 6-6 वारंट, पपौंध ने 5, धनपुरी, जैतपुर एवं महिला थाने ने 3-3 वारंट तथा खेरहा पुलिस ने 2 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में शांति बनाए रखने और न्यायालयीन प्रक्रियाओं को गति देने के लिए ऐसे सरप्राइज कॉम्बिंग गश्त अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे तथा किसी भी वारंटी या अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

शाहडार के जंगल में बाघ की चहलकदमी से राहगीरों सहित ग्रामीणों में बड़ी दहशत

हरिभूमि न्यूज़►► कटनी

दीमरखेड़ा तहसील अंतर्गत शाहडार के जंगलों में हिंसक वन्य जीवों की चहलकदमी लगातार बढ़ रही है। रविवार को शाहडार जंगल से गुजरने वाली मुख्य सड़क पर एक बाघ के आराम से टहलने का वीडियो सामने आया है, जिसके बाद से आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों में दहशत का माहौल है।मिली जानकारी के अनुसार, सड़क से गुजर रहे कार सवार राहगीरों ने दूर से ही अपने मोबाइल में बाघ का वीडियो शूट कर लिया। बाघ कुछ देर तक सड़क पर टहलता रहा और फिर घने जंगल की ओर चला गया।

शाहडार का यह वन क्षेत्र उमरिया और प्रसिद्ध बांधवगढ़



टाइगर रिजर्व की सीमाओं से सटा हुआ है। यही वजह है कि इस इलाके में बाघ और तेंदुओं की आवाजाही अक्सर बनी रहती है। हालांकि, अब वन्य जीवों के सीधे सड़कों पर आ जाने से स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए वन अमले ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। वन विभाग ने

दिखने पर वाहन रोककर सुरक्षित दूरी बनाए रखें। हॉर्न न बजाएं और न ही उसे उकसाने की कोशिश करें। वाहन के शीशे बंद रखें और वीडियो या फोटो बनाने के चक्कर में गाड़ी से बाहर निकलकर जान जोखिम में न डालें।वन विभाग ने साफ किया है कि किसी भी स्थिति में वन्यजीवों से दूरी बनाए रखना ही सुरक्षा की पहली शर्त है।

सीएम हेलपलाइन में सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें: कलेक्टर आवेदनों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें तथा गलत जवाब नहीं भरें



शहडोल।

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने सीएम हेलपलाइन एवं समय-सीमा के लंबित पत्रों की विभागवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बी, सी एवं डी ग्रेड में आने वाले विभाग प्रकरणों के निराकरण करने में तेजी लाएं तथा ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो विभाग ए ग्रेड में हैं चे विभाग भी आवदनों के निराकरण में और

अधिक प्रगति लाएं। सभी विभाग सीएम हेलपलाइन के प्रकरणों के निराकरण का कार्य अभी से आरंभ करें, कोई भी आवदेन निम्न गुणवत्ता के साथ बंद नहीं करें तथा कोई भी शिकायत अनअटेन्डेड नहीं रहे।

कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने कहा कि जिन विभागों में 50 दिवस से अधिक समय से शिकायतें लंबित हैं, उनके विभाग प्रमुख स्वयं नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा शिकायतों के निराकरण संबंधी जवाब एल-1 अधिकारी के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। कलेक्टर ने समय-सीमा के पत्रों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी आकांक्षा पोर्टल में एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से जवाब दर्ज कराएं। इसी तरह सीएम हाउस मॉनिट, सीएम मॉनिट तथा विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों का जवाब समय-सीमा में प्रस्तुत करें।

मानसून में हादसों से बचने विशेष सावधानी बरतें, सुरक्षा उपकरणों का जरूर करें उपयोग

हरिभूमि न्यूज़

मानसून के दौरान निर्माण कार्यों में दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए श्रम विभाग द्वारा निर्माण श्रमिकों को बारिश के मौसम में कार्य से स्वास्थ्य का ध्यान रखने के साथ-साथ ऊंचाई, फिसलन, बिजली और जलभराव वाले स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

श्रम विभाग की ओर से कहा गया है कि श्रमिक गीले कपड़ों में लंबे समय तक काम न करें। अस्वस्थ महसूस होने पर काम से विराम लेकर पर्याप्त आराम करें। बारिश के कारण कार्यस्थल की सतह फिसलन भरी हो सकती है, इसलिए सीढ़ी, मचान और अन्य संरचनाओं की मजबूती की जांच करने के बाद ही कार्य करें। निर्माण कार्य के दौरान हेलमेट, सेफ्टी शूज सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। बारिश के दौरान बिजली से संबंधित दुर्घटनाओं से बचने के लिए गीले हाथों से बिजली के उपकरणों को न छुएं। क्षतिग्रस्त तारों और खुले विद्युत कनेक्शन से दूरी बनाए रखें। बारिश अथवा आकाशीय बिजली के दौरान खुले और ऊंचे स्थानों पर कार्य करने से बचें तथा सुरक्षित स्थान पर रहें।

जलभराव वाले क्षेत्रों से रहे दूर- निर्माण स्थलों पर जलभराव के कारण गड्ढे और खुले मैनेहोल दिखाई नहीं देने की स्थिति में दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। ऐसे स्थानों से दूर रहने और कार्यस्थल पर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। निर्माण सामग्री को संभालते समय भी सतर्कता बरतें तथा ढीली सामग्री और अस्थिर संरचनाओं के पास अनावश्यक रूप से न जाएं।

कजलियां मेला स्थल, बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थलों में चला स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज़

रक्षाबंधन एवं कजलिया पर्व के पश्चात नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम के स्वच्छता मित्र बारिश के बीच भी निरंतर सफाई कार्य में जुटे रहे। पवों के दौरान बाजार एवं रहवासी क्षेत्रों में उत्पन्न अपशिष्ट की सफाई के लिए मुख्य मार्गों सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। वहीं वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जलप्लावन की संभावित स्थिति से निपटने के चोक नाले-नालियों की सफाई की जाकर सुगम जल निकासी के प्रयास किए गए।

नगर के गाटरघाट में आयोजित दो दिवसीय कजलिया मेले के दौरान निगम के स्वच्छता मित्र शनिवार देर रात तक मेला स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था संभाले रहे।

वहीं रविवार को मेले की दूसरे दिवस की व्यवस्था हेतु प्रातः से ही मेला आयोजन स्थल पर पुनः विशेष सफाई अभियान चलाकर एकत्रित अपशिष्ट को हटया गया तथा पूरे क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित किया गया। इसके साथ ही मेला स्थल पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने के प्रयास किए गए। इसके अतिरिक्त नगर के बाजार क्षेत्रों एवं भीड़ भाड़ वाले स्थलों सुभाष चौक, स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, शंकर टॉकीज मार्ग, नई बस्ती, बस स्टैंड, लखेरा, झर्रा टिकुरिया, एन के जे बजरिया, आजाद चौक, खिरहनी फाटक ओवर ब्रिज के नीचे, नई बस्ती, नदीपार मुख्य मार्ग, पन्ना मोड, सहित बंधवा टोला, मुक्तिधाम परिसर, दुबे कॉलोनी जैन कालोनी सहित नगर के विभिन्न स्थलों में सफाई व्यवस्था संभाले रहे।

एकत्रित अपशिष्ट को निपटान हेतु प्लांट भेजने की कार्यवाही की गई।

जल निकासी पर विशेष ध्यान

वर्षा के दौरान जलभराव की संभावित समस्या को देखते हुए निगम अमले द्वारा मंगल नगर पुलिया सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में चोक नाले-नालियों को चिन्हित कर उनकी सफाई कराई गई। इस दौरान नालियों से अवरोध एवं जमा गढ़ा हटाकर जल निकासी को सुगम बनाने के प्रयास किए गए, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े।निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नालियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न डालें तथा नगर को स्वच्छ बनाए रखने में निगम के स्वच्छता मित्रों का सहयोग करें।



खबर संक्षेप

लतार के कुशवेंद्र मिश्रा ने जेआरएफ में लहराया परचम

बदरा/जमुना। ग्राम पंचायत लतार निवासी केदारनाथ मिश्रा के छोटे पुत्र कुशवेंद्र कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय स्तर की जेआरएफ एनईटी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर अपने माता-पिता, परिवार और गांव का नाम रोशन किया है

कुशवेंद्र ने परीक्षा में 182 अंक प्राप्त करते हुए 99.6278090 पैसेंटाइल हासिल की है उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। कुशवेंद्र कुमार मिश्रा, धर्मेद मिश्रा के छोटे भाई हैं साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के दम पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है उनकी सफलता ने यह साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। जेआरएफ के लिए चयनित होने के बाद कुशवेंद्र को शोध कार्य के दौरान हर माह लगभग 45 हजार रुपये की फेलोशिप/स्कॉलरशिप मिलने की जानकारी दी गई है, जो पीएचडी की पढ़ाई पूरी होने तक जारी रहेगी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ लतार गांव के लोगों में भी खुशी है। कुशवेंद्र की सफलता पर परिवर्जनों, रिश्तेदारों, मित्रों एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है ग्रामीणों ने कहा कि कुशवेंद्र की यह उपलब्धि गांव के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी मेहनत और उच्च शिक्षा की दिशा में प्रेरणास्रोत बनेगी।

तुलसी महाविद्यालय में महर्षि अरविंद जयंती पखवाड़ा के तहत व्याख्यानमाला आयोजित



अनूपपुर। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर चिंतक एवं आध्यात्मिक दार्शनिक महर्षि अरविंद की जयंती पखवाड़ा के तहत व्याख्यानमाला गरिमाय्य एवं प्रेरक वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि अरविंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वन के साथ हुई। 'समारोह के मुख्य अतिथि रामलाल रौतेल (अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग)' ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि अरविंद का जीवन कर्मजीन, राष्ट्रप्रेम और उच्च आध्यात्मिक चेतना का अद्वितीय संगम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे महर्षि अरविंद के शिक्षा दर्शन और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में उतारें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निहित सहारिया प्राध्यापक मार्टण्ड महाविद्यालय कोतमा, विभागध्यक्ष डॉ. नीरज श्रीवास्तव तथा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय, ब्रजेश चटुवर्दी, प्रतीण चौरसिया मंचासीन रहे। वक्ताओं ने महर्षि अरविंद के समग्र योग और भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण में उनके योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर नवकुर संस्था के परामर्शदाता, (मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम) के उर्जावान छात्र-छात्राएं, उपस्थित रहे।

समान नागरिक संहिता के विरोध में जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन



अनूपपुर।

मध्य प्रदेश में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद जिला अनूपपुर ने संवैधानिक, विधिक एवं सामाजिक आधारों का हवाला देते हुए इसके पुनर्विचार की मांग की है। संगठन की ओर से 31 अगस्त को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के मसौदे को मंत्रिपरिषद (केबिनेट) से अनुमोदित किए जाने के बाद आगे की संवैधानिक प्रक्रिया के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि मुस्लिम समाज संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता, मौलिक अधिकारों तथा अपनी धार्मिक एवं व्यक्तिगत मान्यताओं की रक्षा को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज करा रहा है। जापन में संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यह नीति-निर्देशक तत्वों का हिस्सा है और न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है। संगठन ने मांग की कि समान नागरिक संहिता बनाते समय संविधान के भाग-3 में दिए

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, जैतहरी

माई की बगिया मार्ग बना मुसीबत का रास्ता, विस्तारीकरण के बाद दलदल में तब्दील



500 मीटर से अधिक हिस्से में फैली बदहाली, सावित्री नदी पुल के पास भी सड़क की हालत खराब साइड देने में फंस रहे वाहन, आए दिन गिरकर घायल हो रहे दोपहिया चालक

अमरकंटक। धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। यहां के प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों में शामिल माई की बगिया तक पहुंचने वाला मार्ग इन दिनों लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। मार्ग के विस्तारीकरण के बाद अधूरा छोड़ा गया हिस्सा बारिश के पानी से दलदल में तब्दील हो गया है। सड़क के किनारे गहरे गड्ढे, कीचड़ और जलभराव के कारण वाहन चालकों को बेहद सावधानी से आवागमन करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में माई की बगिया मार्ग के विस्तारीकरण का कार्य शुरू किया गया था। विस्तारीकरण के लिए सड़क के किनारे बड़े हिस्से से मिट्टी हटाई गई, लेकिन कार्य पूरा नहीं होने के कारण यहीं हिस्सा अब बारिश में परेशानी का सबब

बन गया है। करीब 500 मीटर से अधिक हिस्से में मिट्टी हटाए जाने के बाद उचित भराव और समतलीकरण नहीं होने से बारिश का पानी जमा हो रहा है। लगातार पानी भरने के कारण मिट्टी दलदली हो गई है और वाहन चालकों के लिए यह हिस्सा जोखिमपूर्ण बन गया है।

साइड देने के दौरान दलदल में फंस रहे वाहन

माई की बगिया मार्ग कई स्थानों पर संकरा है। ऐसे में जब सामने से चार पहिया वाहन आते हैं तो एक वाहन को साइड देने के लिए विस्तारित हिस्से में उतरना पड़ता है। लेकिन इस हिस्से में जगह-जगह कीचड़ और गहरे गड्ढे होने के कारण वाहन फंस जाते हैं। कई बार वाहन निकालने के लिए लोगों को मशकत करनी पड़ती है। वाहनों के फंसने से मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बन जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। दलदल और कीचड़ के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ने से चालक फिसलकर गिर रहे हैं। बारिश के दौरान सड़क किनारे उगी लंबी घास के कारण स्थिति और खतरनाक हो गई है। घास के पीछे छिपे गड्ढे और दलदली हिस्सा दूर से दिखाई नहीं देता। अचानक पहिया गड्ढे में जाने पर वाहन अनियंत्रित हो जाता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

किरगी जल प्रदाय योजना में शोषण के खिलाफ आवाज उठाने पर 9 आदिवासी श्रमिकों को बनाया बंधक

खबर उजागर करने पर प्लांट इंचार्ज अमित कुमार ने पत्रकार को दी जान से मारने की धमकी



3 घंटे बंधक बनाकर दी नौकरी से निकालने की धमकी

किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना में कार्यरत 9 आदिवासी श्रमिकों ने जब अपने मजदूर संगठन में माध्यम से बकाया वेतन और न्यूनतम मजदूरी के लिए लिखित आवेदन दिया, तो जल प्रबंधन के ठेकेदार ने उन्हें कार्यालय में तलब किया। 29 अगस्त को दोपहर 1 से 4 बजे के बीच सभी श्रमिकों को योजना कार्यालय के एक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया साथ ही मोबाइल फोन जप्त कर लिया गया था। अधिकारियों ने बंद कमरे में दबाव बनाते हुए सीधी धमकी दी कि यदि उन्होंने विरोध बंद नहीं किया तो उन्हें तत्काल नौकरी से बेदखल कर दिया जाएगा।

50 के स्टॉप पेपर पर जबरन हस्ताक्षर और कूटरचना की आशंका

कार्यालय में बंधक बनाए श्रमिकों ने बिना किसी विधिक सहमति के 50 के स्टॉप पेपर तथा पीएफ दस्तावेजों पर जबरिया



हस्ताक्षर करवाए गए। श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें इन कागजातों की सामग्री पढ़ने तक नहीं दी गई है। पीड़ितों को गंभीर अंदेशा है कि हस्ताक्षरित स्टॉप पेपरों पर कंपनी मनगढ़ंत शर्तें जोड़कर जाली अनुबंध तैयार करेगी, जिससे भविष्य में उनके वैधानिक श्रम अधिकारों का हनन कर उन्हें कानूनी दावों से पूरी तरह वंचित किया जा सके।

दबाव डालकर गैरकानूनी नोटरी कराने की तैयारी

शिकायत में यह खुलासा हुआ है कि श्रमिकों से दबाव में लिए गए हस्ताक्षरों के आधार पर कंपनी प्रबंधन अब अवैध तरीके से नोटरी करवाने के प्रयास में जुटा है। दबाव डालकर 2 पंप ऑपरेटरों से नोटरी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा भी लिए गए हैं। बिना श्रमिकों की स्वतंत्र सहमति के इन दस्तावेजों को कानूनी रूप देने की साजिश रची जा रही है। पीड़ितों ने पुलिस से मांग की है कि किसी भी फर्जी नोटरी को रोककर मूल स्टॉप पेपर तुरंत जब्त किए जाएं।

अधूरा काम बना परेशानी की वजह

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विस्तारीकरण का काम समय रहते पूरा कर दिया जाता और मिट्टी हटाए गए हिस्से का उचित भराव एवं समतलीकरण किया जाता तो बारिश के दौरान ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती। वर्तमान में विस्तारित हिस्से में न तो पर्याप्त समतलीकरण है और न ही बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था दिखाई दे रही है। इसके कारण पानी सड़क किनारे जमा होकर दलदल की स्थिति पैदा कर रहा है।

सावित्री नदी पुल के पास भी बदहाल स्थिति

माई की बगिया मार्ग पर सावित्री नदी पुल के पास भी सड़क की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। करीब 800 मीटर के हिस्से में जगह-जगह खराबी होने से वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के मौसम में यहां भी कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन रही है। मार्ग की खराब हालत के कारण स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी आवागमन में दिक्कत हो रही है। श्रावण मास के दौरान अमरकंटक में श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ जाती है। बड़ी संख्या में लोग माई की बगिया सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन एवं भ्रमण के

लिए पहुंचते हैं। इस दौरान मार्ग की खराब स्थिति के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चार पहिया वाहनों के साथ-साथ पैदल चलने वाले लोगों को भी कीचड़ और जलभराव से होकर गुजरना पड़ा। धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से अमरकंटक के लिए माई की बगिया मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में मार्ग की बदहाली न केवल स्थानीय लोगों को परेशानी बढ़ा रही है, बल्कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी क्षेत्र की खराब तस्वीर पेश कर रही है।

प्रशासन से तत्काल सुधार की मांग

स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और माई की बगिया पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने प्रशासन से मार्ग की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि फिलहाल दलदली हिस्से में मिट्टी-मुरम डालकर मार्ग को आवागमन योग्य बनाया जाए। इसके साथ ही पानी की निकासी के लिए नाली अथवा अन्य स्थायी व्यवस्था की जाए। लोगों ने यह भी मांग की है कि मार्ग के विस्तारीकरण का अधूरा कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए, सड़क किनारे उगी लंबी घास की सफाई कराई जाए और गड्ढों को भरकर मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो बारिश के दौरान किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।



कजलिया पर्व पर माताओं एवं बहनों ने निकाली भव्य यात्रा

राजनगर।
नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में हर वर्ष की भांति इस वर्ष जोड़ा तालाब राजनगर एवं प्राचीन शिव मंदिर इस पर्व का प्रमुख केंद्र रहा। कजलिया पर्व के पावन अवसर पर माताओं एवं बहनों द्वारा श्रद्धा, उत्साह और उमंग के साथ भव्य यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में माताओं, बहनों, एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्व की खुशियां मनाईं। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में धार्मिक एवं पारंपरिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। माताओं एवं बहनों की सहभागिता से यात्रा आकर्षण का केंद्र बनी रही। नगर में जगह-जगह पर्व के प्रति उत्साह और उल्लास दिखाई दिया। आयोजन को सफल

बनाने में समाजसेवियों एवं युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी हरिशंकर 'पुल्लू' डुबे, मनोहर जायसवाल, अश्वनी यादव, राहुल जायसवाल, आलोक सिंह, हसनैन अंसारी, मो. साहिल, बिनू यादव, राहुल सिंह, हरीश ठाकुर, इमरान खान 'बंटी', रोहित केवट, अशोक साहू, कृष्णा तिवारी, चीकू श्रीवास्तव, भूरा जायसवाल, आकाश केवट, गिरधारी सहित आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कजलिया पर्व हमारी समृद्ध लोकपरंपरा, आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सोहार्द का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से समाज में एकता, प्रेम और पारंपरिक संस्कृति को आगे बढ़ाने का संदेश मिलता है। भव्य यात्रा के आयोजन ने नगर के वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

सड़क निर्माण के बाद लाखों के गबन के आरोप, पंचायत में अनशन पर बैठे ग्रामीण

सरपंच-सचिव की मिलीभगत का आरोप



जनसुनवाई में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीण

बदरा/जमुना। जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सकोला में सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत क्षेत्र में करीब 3 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण कराए जाने के बाद निर्माण कार्य में लाखों रुपये की अनियमितता की गई है। मामले में ग्रामीणों ने सरपंच एवं सचिव की कथित मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की

मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में कराए गए सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता और खर्च को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि शासकीय राशि का उचित उपयोग नहीं किया गया तथा निर्माण कार्य में अनियमितता बरती गई। ग्रामीणों द्वारा इस मामले की शिकायत अधिकारियों से लेकर जनसुनवाई तक में की जा चुकी है, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत सकोला के ग्रामीण अब पंचायत स्तर पर अनशन पर बैठ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक पूरे मामले की निष्पक्ष

जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए, निर्माण में खर्च हुई राशि और पंचायत के दस्तावेजों की जांच की जाए तथा यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों से राशि की वसूली करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों के अनुसार मामले को लेकर जनसुनवाई में भी शिकायत प्रस्तुत की जा चुकी है। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में

असंतोष है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब शिकायत प्रशासन के संज्ञान में पहुंच चुकी है, तो जांच और कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है। अब ग्रामीणों की निगाह जिला प्रशासन और जनपद पंचायत अनूपपुर के अधिकारियों पर टिकी हुई है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक स्थिति सामने लाने और दोषी पाए जाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब सवाल यह है कि ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन कब जांच शुरू करता है और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

